



न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, प्रतापगढ़(राज.)

पीठीसीन अधिकारी :-

अनुपमा जोरवाल (I.A.S.)

प्रकरण संख्या

दर्ज दिनांक

फैसल दिनांक

26 / 2017

21.06.2017

18.12.2020

RCMS No. 2017/00070

प्रार्थी

अप्रार्थी

मुख्य प्रबंधक प्राधिकृत अधिकारी
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया,
एम.जी.रोड, शाखा प्रतापगढ़।

बनाम

मैसर्स इण्डियन स्केप भण्डार प्रोप. श्रीमती
आशिया बी पत्नी श्री जुल्फीकार आलम,
बावडी मोहल्ला मोहम्मदि रोड प्रतापगढ़
- बाकीदार=ऋणी

श्री जुल्फीकार आलम पुत्र श्री मजहर आलम,
बावडी मोहल्ला, मोहम्मदि रोड प्रतापगढ़
-जमानती/गारन्टर

श्री मोहम्मद परवेज पुत्र श्री अब्दुल रज्जाक,
बडी दरवाजा आलम गली, प्रतापगढ़
-जमानती/गारन्टर

श्रीमती गीता देवी पत्नि हिरालाल मीणा, टिमरवा
-जमानती/गारन्टर

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत

उपस्थिति :-

1. श्री विजेन्द्र सिंह प्रार्थी
अप्रार्थी श्रीमती आशिया बी पत्नी श्री जुल्फीकार आलम

दिनांक :- 18.12.2020

-: आदेश :-

प्रार्थी कि ओर से यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत विरुद्ध अप्रार्थी मैसर्स इण्डियन स्केप भण्डार प्रोप. श्रीमती आशिया बी पत्नी श्री जुल्फीकार आलम, बावडी मोहल्ला मोहम्मदि रोड प्रतापगढ़ के विरुद्ध पेश हुआ।

जिला कलक्टर
प्रतापगढ़ (राज.)

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) द्वारा अप्रार्थी को राशि रूपये 20,00,000/-रु. (अक्षरे बीस लाख रूपये) केश क्रेडिट एवं टर्म ऋण सुविधा पर उपलब्ध कराई गई तथा पुर्नभुगतान हेतु अप्रार्थी द्वारा अपने स्वामित्व की जायदाद/सम्पत्ति अप्रार्थी ऋणी द्वारा प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) के पक्ष में प्रतिभूति स्वरूप बंधक/रहन निम्नांकितानुसार प्रतिभूतियां प्रार्थी बैंक के ऋण राशि धरोहर स्वरूप बंधक/रहन किया गया।

अप्रार्थीगण श्रीमती आशिया बी पत्नि श्री जुल्फीकार आलम के नाम आवासीय मकान आराजी नंबर 17/307, ग्राम कानपुरिया पटवार हल्का मनोहरगढ़ तहसील प्रतापगढ़ में जिसमें भूमि, भवन ढांचा जो सभी सम्पत्ति के अभिन्न अंग है जिसकी माप 1600 वर्गमीटर है। जिसकी चतुसीमाएं इस प्रकार है :- पूर्व में -रोड, पश्चिम में - श्री रुदा मीणा की कृषि भूमि, उत्तर में-श्री जुल्फीकार आलम की कृषि भूमि, दक्षिण में- श्री रुदा मीणा व अन्य की कृषि भूमि है।

अप्रार्थी द्वारा नियमित रूप से प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) को ऋण राशि मय ब्याज का भुगतान करने में असफल रहने व्यतिक्रम करने पर प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) द्वारा उक्त ऋण राशि 20,50,057.47/-रु. (अक्षरे बीस लाख पचास हजार सतावन रूपये सैतालिस पैसे) मय ब्याज व अन्य खर्च अदा करने हेतु वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रर्वतन अधिनियम, 2002 कि धारा 13(2) के तहत दिनांक 13.01.2017 को सूचना पत्र जारी किया गया किन्तु अप्रार्थी के बाद सूचना पत्र तामिल रिपोर्ट एवं नोटीस मियाद अवधि 60 दिवस समाप्त हो जाने पश्चात् भी अप्रार्थी द्वारा उक्त ऋण राशि मय ब्याज राशि प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) को नहीं जमा कराये जाने की स्थिति में अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष में बंधक की गई सम्पत्तियों का कब्जा प्राप्त करने हेतु यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को दर्ज रजिस्ट्रर किया जाकर प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों की अनुपालना में दिवानी प्रक्रिया संहिता 1908 के आदेश 5 के तहत अप्रार्थी को अपना पक्ष रखने हेतु सूचना पत्र जारी किये गये जाकर एक प्राथमिक अवसर प्रदान कराया गया जबकि प्रकरण में प्रस्तावित अधिनियम के अन्तर्गत धारा 13(2) के नोटीस के उपरान्त पृथक से कोई सूचना पत्र ज्ञापित करने का प्रावधान विहित नहीं होना प्रार्थी संस्था के प्राधिकृत द्वारा अवगत कराया है।

प्रकरण में प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) कि ओर से उपस्थित अधिवक्ता द्वारा बहस अन्तिम प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कि गई दौराने बहस विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र में वर्णित कथनों को दोहराते हुए मुख्य रूप से कथन किये कि अप्रार्थी ऋणी द्वारा ली गई ऋण राशि मय ब्याज के निश्चित समयावधि दिनांक 13.01.2017 तक प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) को अदा नहीं किया गया है तथा आगे अदा करने की मंशा भी दर्शित नहीं होती है।

जिसके चलते प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) द्वारा दिनांक 13.01.2017 को अधिनियम की धारा 13(2) के तहत अप्रार्थी को सूचित कराते हुए 60 दिवस का अन्तिम अवसर भी प्रदान कराया जा चुका है, किन्तु अप्रार्थी द्वारा दिनांक तक उसके द्वारा प्राप्त ऋण राशि मय ब्याज के नहीं लौटाये जाने से अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) के पक्ष में बंधक/रहन की गई सम्पत्तियों/आस्तियों को अपने कब्जे में लेने हेतु यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जिसे स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी द्वारा बंधक/रहन की गई सम्पत्तियों का कब्जा मय पुलिस इमदाद सहित प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) को प्रदान करने का आदेश फरमावे।

बहस पर मनन किया गया तथा पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) द्वारा अप्रार्थी को राशि रूपये 20,50,057.47/-रु. (अक्षरे बीस लाख पचास हजार सतावन रूपये सैतालिस पैसे) केश क्रेडिट एवं टर्म लोन सुविधा प्रदान की गई है तथा अप्रार्थी द्वारा बतौर प्रतिभूति अपनी सम्पत्तियों/आस्तियों को बंधक/रहन रखा गया है। प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) बकाया ऋण राशि मय ब्याज प्राप्त करने हेतु अप्रार्थी को अधिनियम की धारा 13(2) के तहत नोटीस दिया जाकर समुचित अवसर प्रदान कराया जाना भी रिकार्ड पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य है।

उपरोक्त सम्पूर्ण विवेचन कि रोशनी में ज्ञात होता है कि वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रर्वतन अधिनियम, 2002 की धारा 14 में विहित प्रावधानों अनुसार प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) के पक्ष में अप्रार्थी द्वारा बंधक/रहन की गई सम्पत्तियों का कब्जा प्राप्त करने का अधिकारी है। इस संबंध में उपशासन सचिव, गृह (सुरक्षा) विभाग गृह गुप-5 के पत्र क्रमांक प.17(2) गृह-5/2012 जयपुर दिनांक 18.10.2012 एवं संयुक्त सचिव, भारत सरकार वित्त मंत्रालय के पत्रांक

तांक 31.07.2012 के द्वारा जारी दिशा निर्देश पत्रों अन्तर्गत भी ऐसे प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही करते हुए जिला मजिस्ट्रेट को ऋणी से कब्जा प्रदायगी के आदेश पारित करने हेतु सक्षम प्राधिकारी बताते हुए निर्णय देने की शक्तियां प्रदान की गई है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) का स्वीकार किया जाकर अप्रार्थी ऋणी द्वारा उक्त ऋण राशि 20,50,057.47/-रु. (अक्षरे बीस लाख पचास हजार सतावन रुपये सैतालिस पैसे दिनांक 13.01.2017 तक) मय ब्याज एवं अन्य राशियां बैंक को जमा कराने में असमर्थ होने पर प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) के पक्ष में प्रतिभूति स्वरूप बंधक/रहन की गई प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) के पक्ष में प्रतिभूति स्वरूप बंधक/रहन की गई अप्रार्थीगण श्रीमती आशिया बी पत्नि श्री जुल्फीकार आलम के नाम आवासीय मकान आराजी नंबर 17/307, ग्राम कानपुरिया पटवार हल्का मनोहरगढ़ तहसील प्रतापगढ़ में जिसमें भूमि, भवन ढांचा जो सभी सम्पत्ति के अभिन्न अंग है जिसकी माप 1600 वर्गमीटर है। जिसकी चतुसीमाएं इस प्रकार है :- पूर्व में -रोड, पश्चिम में - श्री रुदा मीणा की कृषि भूमि, उत्तर में-श्री जुल्फीकार आलम की कृषि भूमि, दक्षिण में- श्री रुदा मीणा व अन्य की कृषि भूमि है। उक्त भूमि को धरोहर स्वरूप बंधक/रहन भूमि सम्पत्तियों का भौतिक रूप से कब्जा प्राप्त करने हेतु प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था) को जरिये जिला पुलिस अधीक्षक के संबंधित पुलिस थाना स्तर से पुलिस इमदाद कब्जा प्राप्त किये जाने का आदेश पारित किया जाता है।

आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक (वित्तीय संस्था), अप्रार्थी/ऋणी एवं जिला पुलिस अधीक्षक तथा संबंधित थानाधिकारी का हस्ब कायदा जारी हों। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर दाखिल दफतर हों।

आदेश आज दिनांक 18.12.2020 को सरे ईजलास सुनाया जाकर लिपिबद्ध किया गया।



(Handwritten Signature)

(अनुपमा जौरवाल)

जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट
प्रतापगढ़

जिला पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़

2. मुख्य बंधक प्राधिकृत अधिकारी, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, एम.जी.रोड शाखा प्रतापगढ़

3. प्रमुख प्रशासक श्रीमती आशिया बी पत्नि श्री जुल्फीकार आलम बावडी मोहल्ला मोहम्मदि रोड प्रतापगढ़